प्रधानाचार्य के शिक्षण की समय से सृजनशील बालकों की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। उनके, विद्यालयों में जाकर कक्षा की कार्य-प्रणाली देखनी चाहिए तत्पश्चात् सृजनशील बालकों की अतिरिक्त कक्षाएं लेकर उचित दिशा-निर्देश देने चाहिए। शिक्षकों भी सृजनशील साहित्य का अध्ययन करना चाहिए।

5. विद्यालय - अभिभावक सम्बन्ध (Relation between School and Guardian):-

विद्यालय बालक को शिक्षित करने का का एक माध्यम है। माता-पिता तथा परिवार के सदस्य दूसरे अभिकरण / प्रबन्ध के रूप में कार्य करते हैं। इसलिए अध्यापक - अभिभावक संघों की विशेष महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

इसके साथ-साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का विकास भी आवश्यक है। इसके लिए कक्षा को समान्तर रूप में विभक्त करना चाहिए। विज्ञान तथा गणित के समूह अंग्रेजी, संस्कृत तथा हिन्दी के समूह बनाये जा सकते हैं। निरीक्षित अध्ययन के द्वारा पाठ्येतर पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। बुलेटिन बोर्ड, विद्यालय पत्रिका, कक्षा तथा पुस्तकालय, साहित्यिक एवं वाद-विवाद सभाएं, ड्रामेटिक क्लब, प्रदर्शनी, मेले, विद्यालय-शिविर, पिकनिक तथा शैक्षिक यात्राएं, स्काउट-गाइड, एन.सी.सी., सामूहिक कार्य, स्वेच्छा अदि के विधान द्वारा बालकों में सृजनशीलता का विकास किया जा सकता है।

सृजनशीलता विकसित करने की प्रमुख विधियाँ (Important Method of Developing Creativity)

बालकों में सृजनशीलता या सृजनात्मकता विकसित करने की अनेक विधियाँ हैं किन्तु उनमें प्रमुख विधि मस्तिष्क उद्वेलन (Brain Storming) है जिसका यहाँ विस्तार से वर्णन किया जा रहा है:-

P.T.O.

Scanned with CamScanner

मस्तिष्क उद्वेलन (Brainstorming)

विचारों की गुणवत्ता में सुधार लाने की सबसे प्राचीन विधियों में मस्तिष्क उद्वेलन (Brainstorming) विधि सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। वर्तमान विचारों को पोषित (Fostering) करने की दृष्टि से ओसबोर्न ने 1963 में इस विधि को विकसित किया था। इस विधि का प्रयोग छोटे बच्चों के समूह पर आसानी से प्रयोग किया जा सकता है। इसमें सर्वप्रथम छात्रों के सम्मुख कोई समस्या प्रस्तुत की जाती है तथा उनको उस समस्या के समाधान हेतु स्वतन्त्रतापूर्वक विचार करने को कहा जाता है। अन्त में शिक्षक की सहायता से किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है। इस प्रक्रिया में होने वाली मानसिक क्रियाओं को दो भागों में विभक्त किया जा सकता है:-

1. **सृजनात्मक मन (Creative Mind):-**

सृजनात्मक मन का अर्थ नवीन विचारों का आविष्कार करना तथा समस्याओं के समाधान हेतु नये तरीकों की खोज करना है।

2. **न्यायिक मन (Judicial Mind):-**

न्यायिक मन का अर्थ - सृजनात्मक मन में संचारित विचारों की आलोचनात्मक रूप से समीक्षा करना है।

मस्तिष्क उद्वेलन का अर्थ एवं परिभाषा (Meaning & Definition of Brain Storming)

मस्तिष्क उद्वेलन को मनोवैज्ञानिकों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये जिनमें से कुछ प्रमुख विचारों को यहाँ प्रस्तुत किया जा रहा है:-

P.T.O.

Scanned with CamScanner

• पेज एवं थोमस के अनुसार:- "मस्तिष्क उद्वेलन सम्भावित समाधानों को खोजने की वह प्रविधि है जिसमें भाग लेने वालों को बिना उपहास की जोखिम के अपने सुझाव प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।"1

• ऑसबॉर्न के अनुसार:- "मस्तिष्क उद्वेलन तकनीकी का रहस्य इस तथ्य पर आधारित है कि इस अभ्यास में कई समाधान उत्पन्न होते हैं, क्योंकि इसमें भाग लेने वालों का मस्तिष्क अनेक लाभदायक सम्भावित नये समाधानों की खोज करता है।"2

• डेविड के कथनानुसार:- "मस्तिष्क उद्वेलन समस्या समाधान के लिए छात्र की सृजनात्मकता तथा खुली मानसिकता में वृद्धि करने का एक उपागम है।"3

उपर्युक्त परिभाषाओं के विश्लेषण के आधार पर, मस्तिष्क उद्वेलन (Brainstorming) को हम निम्नलिखित रूप में परिभाषित कर सकते हैं:-

मस्तिष्क उद्वेलन समस्या समाधान की वह विधि है, जिसमें बच्चे समूह में भाग लेते हैं तथा समूह का प्रत्येक सदस्य बिना किसी भय अथवा झिझक के अधिक से अधिक मात्रा में अपने विचारों को व्यक्त कर सकता है। इसमें उनके किसी भी अर्थ की आलोचना अथवा निन्दा नहीं की जाती है बल्कि उनको इस तरह से प्रोत्साहित किया जाता है कि वे समस्या समाधान के लिए और अधिक विलक्षण सुझायें।

---

1. "Brain storming is a technique of exploring possible solutions wherein participants are encouraged to contribute suggestions without risk of ridicule. (Page and Thomas).
2. "The crux of brain storming technique lies in the facts that the exercise generates a wide spectrum of solutions as the participants explores along new and possible and fruitful lines of thoughts." (Osborn).
3. "Brain storming is an approach to increase creativity and openness for problem solving." (David).

P.T.O.

Scanned with CamScanner